the out and was informed that the IDBI Bill Rediscounting Scheme was extended and the IDBI facilities were also enhanced in order to make up the shortfall in the resources for the State Plans. The IDBI has also been advised to keep in view the shortfalls in the resources for State Plans on account of reduction made in the original allocations of LIC loans while making funds available to the States for electricity programmes under the Bill Rediscounting Scheme.

चाय के निर्यात पर मंत्रालयों के बीच तनाव

213. **श्री मूल चन्द डागा** : क्या **वाणिज्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 20 जनवरी, 1984 के 'नवभारत टाइम्स' में "चाय के निर्यात पर मंत्रालयों में तनाव" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस बात को सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए थे कि विदेशी मुद्रा की आय में कमी न होने पाए और देश में चाय के मूल्य भी न बढ़े ?

वाणिज्य मंत्रालय तथा पूर्ति विभाग में राज्य मंत्री (श्री निहार रंजन लास्कर) : (क) जी हां।

(ख) सरकार ने चाय की कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए सांविधिक तथा ऐसे दोनों प्रकार के कई उपाय किए हैं जिनमें उद्योग का सहयोग अन्तर्ग्रस्त है। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती गई है कि चाय से विदेशी मुद्रा आय संतोषजनक स्तर पर रहे।

Seizure of Black Money

214. SHRI MOOL CHAND DAGA ; Will the Minister of FINANCE be pleased to state the total amount of black money seized during the last five years and how much of it was found representing the concealed income ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI S.M. KRISHNA) : Income-tax Department seized prima-facie unaccounted assets valued at Rs. 95.14 crores approximately during the period 1.4.1978 to 31.3.1983 in course of searches. Amount of concealed income determined in the orders under section 132(5) of the Income-tax Act during the above period was Rs. 152.79 crores approximately

भारत पर्यटन विकास निगम के होटलों में निवेश

215. **श्री मूल चन्द डागा** : क्या **पर्यटन और नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय भारत पर्यटन विकास निगम के स्वामित्व वाले होटलों की कुल संख्या, उनके नाम क्या है तथा वे कहां-कहां पर स्थित है और उनमें से प्रत्येक पर अब तक कितनी-कितनी धनराशि का निवेश किया गया है; और

(ख) 1981-82 और 1982-83 के दौरान इनमें से कितने होटलों ने लाभ कमाया और कितनों को घाटा हुआ तथा कितना लाभ अथवा घाटा हुआ और घाटे के कारण क्या हैं और इस घाटे के लिए कौन उत्तरदायी है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री खुर्शीद आलम खां) : (क) और (ख) सूचना संलग्न विवरण में दी गई है।

हानि के मुख्य कारण हैं—बढ़ी हुई कक्ष-क्षमता के परिणामस्वरूप होटलों में कम आकुपैंसी, पर्यटक भेजने वाले मार्केटों में आर्थिक मन्दी, लम्बे फासले वाले गंतव्य के लिए विमान किरायों के ढांचे में वृद्धि, पर्यटक आगमन में कमी, ब्याज और मूल्यह्रास का उच्चभार आदि। इसके अलावा, भारत पर्यटन विकास निगम की बहुत सी होटल सम्पत्तियां संवर्धनात्मक और विकासात्मक हैं और केवल लाभ के उद्देश्य से ही स्थापित नहीं की गई हैं।